अध्याय-चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्याय चतुर्थ

प्रदत्त प्रस्तुतिकरण, विश्लेषण एवं व्याख्या

4.1 संस्थागत जानकारी का विवरण

प्रस्तुत शोध कार्य में गुजरात राज्य के जूनागढ़ जिले के तीन विशेष संस्थायें जो सभी प्रकार के विकलांगता वाले बालकों को शिक्षा प्रदान कर रही हैइनका अध्ययन किया गया है यह तीन प्रमुख संस्थायें निम्नलिखित है :-

- राष्ट्रीय अंधजन मंडल जूनागढ़
- एम. पी. शाह सरकारी, विकलांग शाला, जूनागढ़
- मंगल मूर्ति विकलांग शाला, जूनागढ़

(1) राष्ट्रीय अंधजन मंडल जूनागढ़

यह एक विशेष विद्यालय है, जो गैर सरकारी संस्था है। इस संस्थान की स्थापना 7 सितम्बर 1980 में हुई थी। प्रारंभ में इस संस्था में अंधे विकलांगता वाले बालकों की शिक्षा दी जाती थी, पर सन् 1995 से इसमें सभी प्रकार की विकलांगता वाले बच्चों को शिक्षा दी जाने लगी है। इस विद्यालय का प्रमुख उद्देश्य है "विकलांग बालकों को आत्म निर्भर बनाने के लिये व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करना।''

इस विद्यालय में कक्षा 1 से 12 तक के विकलांग बालकों को शिक्षा प्रदान की जाती है। कक्षा 1 से 5 तक के विकलांग बालकों को विद्यालय लाने हेतु घर जाने के लिये बस की सुविधा प्रदान की जाती है। इस संस्थान को सरकार की ओर से कम अनुदान दिया जाता है तथा यह सहायक अनुदान से निर्भर संस्थान है इस विद्यालय में विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति सरकार की तरफ से दी जाती है।

(2) एम. पी. शाह सरकारी विकलांग शाला, जूनागढ़

यह एक सरकारी एवं विशेष विद्यालय है। इस विद्यालय की स्थापना 1 जनवरी 1957 को हुई थी। इस विद्यालय ने समेकित शिक्षा की शुरूआत 1992 से हुई है। इस विद्यालय का प्रमुख उद्देश्य है "सभी प्रकार के विकलांग बालकों को स्वपोषित बनाना।'' ताकि उन्हें दूसरे व्यक्तियों पर आश्रित नहीं रहना पड़े तथा वे स्वयं अपनी जीविका का प्रबंध कर सकें।

इस विद्यालय में कक्षा 8 से 10 तक के विकलांग बालकों की शिक्षा प्रदान की जाती है। तीन साल तक बच्चे यहाँ शिक्षा ग्रहण करते हैं तथा पढ़ाई के साथ-साथ व्यावसायकि शिक्षा ग्रहण करते हैं। अध्ययन के दौरान वे कोई व्यवसाय भी करते रहते हैं। इस विद्यालय में होस्टल की सुविधा भी है। इसे सरकार की और से सहायता मिलती है तथा यह एक शासकीय विद्यालय है।

(3) मंगलमूर्ति विकलांग शाला, जूनागढ़

यह भी एक विशेष विद्यालय है एवं गैर सरकारी संस्था है, इस विद्यालय की स्थापना 12 जून, 1991 में हुई है। यह संस्था प्रारंभ से ही सभी प्रकार के विकलांग बालकों को शिक्षा प्रदान कर रही है। इस विद्यालय का उद्देश्य है कि ''विकलांग बालकों को व्यावसायिक शिक्षा देना'' इस संस्था में भी कक्षा-8 से 12 तक विद्यार्थी पढ़ते हैं, इस संस्था को सरकार की ओर से अनुदान भी मिलता है तथा जिसे संस्था के सभी विकलांग बालकों व अभिभावकों को वितरित किया जाता है।

तालिका 4.1.1

संस्थागत पता एवं शिक्षकों की संख्या की जानकारी का विवरण

क्र.	संस्था का नाम व पता	शिक्षकों की संख्या		
		कुल	सामान्य शिक्षक	विशेष शिक्षक
1	राष्ट्रीय अंधजन मंडल, सापुर (सोरठा) वंथली रोड, जूनागढ़	40	03	37
2	एम. पी. शाह सरकारी विकलांगशाला, हाथीखाना चौक, जूनागढ़	08	02	06
3	मंगलमूर्ति विकलांग शाला, वांडला-फाटक धोराजी रोड़, जूनागढ़	16	04	12

तालिका क्रमांक 4.1.1 से तीन विद्यालयों के शिक्षक की जानकारी दी गई है। राष्ट्रीय अंधजन मंडल विद्यालयों में कुल 40 शिक्षक हैं। कुछ 40 शिक्षक में से 3 सामान्य शिक्षक है और 37 विशेष शिक्षक है। एम. पी. शाह सरकारी विकलांग शाला में कुल 8 शिक्षक हैं इनमें से 02 सामान्य शिक्षक और 06 विशेष शिक्षक है। मंगलमूर्ति विकलांग शाला में कुल 16 कर्मचारी है इनमें से 4 सामान्य शिक्षक है तथा 12 विशेष शिक्षक है।

तालिका 4.1.2

चयनित संस्थानों में शिक्षकों की योग्यता एवं प्रशिक्षण संबंधित विवरण

क्र.	संस्था का नाम	विशेष प्रशिक्षित शिक्षक				
		स्नातक एवं विशेष शिक्षा प्राप्ति शिक्षक	मानसिक विशेष शिक्षक	शारीरिक विशेष शिक्षक	दृष्टिहीन विशेष शिक्षक	सहयोगी शिक्षक
1	राष्ट्रीय अंधजन मंडल	37	10	9	11	7
2	एम. पी. शाह सरकारी विकलांग शाला	6	1	1	1	3
3	मंगल मूर्ति विकलांग शाला	12	3	3	5	1

प्रस्तुत तालिका क्रमांक 4.1.2 में तीन संस्थान के विशेष प्रशिक्षित शिक्षकों का विवरण दिया गया है राष्ट्रीय अंधजन मंडल में कुल स्नातक प्रशिक्षण विशेष शिक्षा लिये हुए 37 शिक्षक हैं इस संस्था में मानसिकता वाले बच्चों की शिक्षा के लिये 10 विशेष शिक्षक हैं और शारीरिक विकलांगता वाले बच्चों की शिक्षा के लिये 9 विशेष शिक्षक हैं। इसी प्रकार दृष्टिहीन विकलांगता वाले बच्चों की शिक्षा के लिये विशेष 11 शिक्षक हैं तथा अन्य 7 शिक्षक भी हैं। संस्थान एम. पी. शाह सरकारी विकलांग शाला में कुल शिक्षक (स्नातक प्रशिक्षण विशेष शिक्षा) 6 हैं। इस संस्था में मानसिकता के 1, शारीरिकता के 1, दृष्टिहीनता के 1 एवं अन्य 3 शिक्षक हैं। संस्थान मंगलमूर्ति विकलांग शाला में कुल स्नातक प्रशिक्षण विशेष शिक्षा लिये हुये 12 शिक्षक हैं इस संस्थान में मानसिकता के 3, शारीरिक के 3 शिक्षक, दृष्टिहीनता के 5 शिक्षक हैं और अन्य 1 शिक्षक हैं।

तालिका 4.1.3

संस्थागत विद्यार्थियों की संख्या का विवरण

क्र	संस्था का नाम	विद्यार्थियों की संख्या	शिक्षक की संख्या	प्रति शिक्षक विद्यार्थी की संख्या
1	राष्ट्रीय अंधजन मंड़ल	645	37	17
2	एम. पी. शाह सरकारी विकलाग शाला	140	6	23
3	मंगलमूर्ति विकलांग शाला	160	12	13

तालिका क्रमांक 4.1.3 में संस्थागत विद्यार्थियों की संख्या का विवरण दिया गया है। इनमें से राष्ट्रीय अंधजन मंडल शाला में कुल 645 विद्यार्थी हैं। इस संस्था में कुल विशेष शिक्षक 37 हैं। अतः प्रति शिक्षक विद्यार्थियों की संख्या 17 हैं जो विशेष शिक्षाओं के लिये योग्य हैं। एम. पी. शाह सहकारी विकलांग शाला में 140 विद्यार्थी हैं, और विशेष शिक्षक 6 हैं। प्रति शिक्षक 23 बालक प्रशिक्षण पाते हैं, एक शिक्षक के द्वारा 23 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाता हैं, ये अनुपात काफी अधिक हैं, मंगलमूर्ति विकलांग शाला में 160 विद्यार्थी हैं। इस संस्थान कुल विशेष शिक्षक 12 हैं। अतः प्रति शिक्षक विद्यार्थियों की संख्या 13 हैं। जो विशेष शिक्षक के लिये योग्य हैं।

तालिका क्रमांक- 4.1.4

संस्थान में शिक्षण अधिगम साम्रगी का विवरण

क्र.	संस्था का नाम	शिक्षक अधिगम सामग्री
1	राष्ट्रीय अंधजन मंडल	ब्रेल स्लेट एवं स्टाइलस, ब्रेलर, टेपरिकार्ड, टाँकिंग बुक्स, स्पीस ट्रेनर, सामूहिक श्रवणयंत्र, फलेश कार्ड, पिकचर चार्ट, संसंरी उपकरण तथा मोतेंसरी किट्स, पत्तियों का संकलन
2	एम. पी. शाह सरकारी विलांग शाला	टाँकिंग बुक्स, स्पीच ट्रेनर, शैक्षिक गेम्स, खिलौने, आवाज करने वाले खिलोने, मोतेंसरी किट्स, ब्रेल पुस्तक, ब्रेलर, इत्यादि।
3	मंगल मूति विकलांग शाला	उभरे मानचित्र एवं ग्लोबल, ब्रेल पुस्तक, एबेकस, टेलर फ्रेम, ब्रेल सीट्स, टोकिंग कम्प्यूटर, स्वीचट्रेनर, पिक्चर चार्ट, शैक्षिक गेम, पज़लस, खिलौने, टेलीविजन तथा अन्य प्रिन्टेड वर्क इत्यादि।

तालिका क्रमांक 4.1.4 में तीन संस्थाओं की शैक्षिक सामग्री का विवरण दिया गया है। राष्ट्रीय अंधजन मंडल में आवश्यक शिक्षक अधिमय साम्रगी है परंतु विशेष रूप से ब्रेल पुस्तक और ब्रेलर, टॉकिंग कम्प्यूटर की आवश्यकता है जबकि तीनों सस्थाओं में से सामूहिक श्रवण यंत्र एवं संसरी उपकरण की सुविधा इस विद्यालय में ज्यादा है।

एम. पी. शाह सरकारी विकलांग शाला में आवश्यक शिक्षक अधिगम सामग्री है, परंतु विशेष रूप से सामूहिक श्रवण यंत्र संसरी उपकरण, टॉकिंग बुक, टेलिविजन, शैक्षिक पज़ल की आवश्कता है जबकि तीनों संस्थाओं में से ब्रेल पुस्तक व ब्रेलर, और मान्टेसरी किट्स की सुविधा इसमें ज्यादा है।

मंगलपूर्ति विकलांग शाला में आवश्यक शिक्षक सामग्री है परंतु विशेष रूप से सामूहिक श्रवण यंत्र, संसरी उपकरण, पत्तियों का संकलन, ब्रेल पुस्तक, ब्रेलर की आवश्यकता जबकि तीनों संस्थाओं में से इसमें टॉकिंग कम्प्यूटर, शैक्षिक पज़ल, टेलिविजन तथा अन्य प्रिन्टेड वर्क की अधिकता है।

तालिका 4.1.5

संस्थागत स्रोत्रकक्ष सामग्री के अध्ययन का विवरण

क्र.	संस्था का नाम	स्रोत कक्ष सामग्री
1	राष्ट्रीय अधंजन मंडल	पुस्तकालय में 450 पुस्तक, विज्ञान प्रयोग शाला, 50 विडियो सीड़ी हैं, स्लाईड, रंगीन खिलौन, टेलर फ्रेम, ब्रेल स्लेट, एबेक्स, कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग कक्ष, व्यासायिक प्रशिक्षण कक्ष।
2	एम. पी. शाह सरकारी विकलांग शाला	श्रवण यंत्र, कृत्रिम पैर, ब्रेल स्लेट, एबेक्स, 75 विडियो सीड़ी हैं, रंगीन खिलौने, पुस्तकालय में 390 पुस्तक हैं, विज्ञान प्रयोग शाला।
3	मंगल मूर्ति विकलांग शाला	पुस्तकालय में 700 पुस्तकें हैं, मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला, व्यवसायिक प्रशिक्षण कक्ष, कम्प्यूटर कक्ष, टेलर फ्रेम, रंगीन खिलौनें।

प्रस्तुत तालिका क्रमांक- 4.1.5 में लघु शोध प्रबंध मे ली गयी तीनों संस्थाओं के स्रोत कक्ष सामग्री का विवरण दिया गया है। इसमें राष्ट्रीय अंधजन मंडल संस्था में स्रोत कक्ष सामग्री में पुस्तकालय में 50 ब्रेलिपि की किताबें हैं एवं अन्य पुस्तकों की संख्या 400 है। प्रयोग शाला में कक्षा 8 से लेकर 12 तक कि पाठ्य पुस्तकें हैं जो प्रयोग के लिये साधन सामग्री है। वीडियो सी.डी. में अन्य चित्रों और लेखन सिखाने का तरीका बताया गया है और अलग-अलग स्लाइड, रंगीन खिलौने, ट्रेलर फ्रेम, ब्रेल स्लेट, एबेक्स, कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग कक्ष, व्यावसायिक प्रशिक्षण कक्ष व अन्य सामग्री भी उपलब्ध थी।

संस्थान एम. पी. शाह शाला में स्रोत में श्रवण बधिर के लिये श्रवण यंत्र, वीडियो सी. डी. जो अभिप्रेरित करने वाले पात्र परिचय, लिखने-पढ़ने का तरीका से संबंधित है जैसे : अभिप्रेरणा देने वाली फिल्म पर तैयार की गई है। रंगीन खिलौने पुस्तकालय जिसमें ब्रेललिपि के 40 पुस्तकें और 354 अन्य पुस्तकें हैं। विज्ञान प्रयोगशाला और अन्य शिक्षण सामग्री उपलब्ध है। इस संस्था में सामग्री सरकार की ओर से उपलब्ध करायी जाती है।

संस्था मंगलमूर्ति विकलांग शाला के स्रोत कक्ष में ट्रेलर फ्रेम, रंगीन खिलौने, पुस्तकालय में कुल 700 पुस्तकें हैं जिनमें 100 पुस्तक ब्रेललिपि से तैयार की हुई है, मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला भी उपलब्ध है साथ ही विज्ञान प्रयोगशाला भी है जिसमें कक्षा 8 से 12 तक की पाठ्य पुस्तक उपलब्ध है जो प्रयोग हेतु आवश्यक है। इसमें व्यावसायिक जानकारी और प्रशिक्षण जैसे पापड़ पैकिंग, सिलाई का काम, चॉक बनाना, बेकरी वर्क, कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग मे ग्राफिक्स, पेन्टिंग व छपाई का काम इत्यादि सिखाया जाता हैं।

तालिका 4.1.6

संस्थागत व्यवसायिक पाठ्यक्रम की जानकारी

क्र.	संस्था का नाम	व्यावसायिक पाठ्यक्रम
1	राष्ट्रीय अंधजन मंडल	गायन-वादन, कम्प्यटर प्रोग्रामिंग, सिलाई कक्ष, बुनाई, कढ़ाई, बेकरी कार्य, एस. टी. डी. बूथ, प्रशिक्षण, मिट्टी के खिलौने, मोटर रीवाइडींग।
2	एम. पी. शाह सरकारी विकलांग शाला	सिलाई कक्ष, कढ़ाई, टाईपिंग, चॉक बनाना, गायन-वादन, मसाला व पापड़ बनाना, कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग
3	मंगलमूर्ति विलांग शाला	मिट्टी के खिलौने बनाना, पेथोलॉजी, बेकरी कार्य, फाईल बनाना, एस.टी.डी. कक्ष प्रशिक्षण, ब्रेल कम्प्यूटर ट्रेनिंग, सिलाई, बुनाई, गायन-वादन, वाद्य, तैयार करना।

तालिका क्रमांक 4.1.6 में संस्थागत व्यावसायिक पाठ्यक्रम की जानकारी दी गई है। इसमें राष्ट्रीय अंधजन मंडल शाला में अंधे बच्चों को गायन-वादन, शारीरिक विकलांग बच्चों को कक्षा 8 के बाद कम्प्यूटर, प्रोग्रामिंग, सिलाई-कढ़ाई, चॉक बनाना, मानसिक विकलांग बच्चों को, बेकरी कार्य, कढ़ाई, मसाला पापड़ बनाना, अस्थि विकलांग बच्चों को मोटर रिवाइंडिग, एस. टी. डी. बूथ चलाने का प्रशिक्षण व अन्य व्यावसायिक शिक्षा दी जा रही है। एम. पी. शाह शाला में कक्षा आठवीं से सिलाई कार्य सिखाया जा रहा है। टाइपिंग, चॉक बनाना, अंधे बच्चों का गायन-वादन, मसाला व पापड़ बनाना,कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग और अन्य व्यावसायिक शिक्षा दी जा रही है।

मंगलमूर्ति शाला में श्रवण बधिर बालकों का मिट्टी के खिलौने बनाना, कम्प्यूटर ट्रेनिंग, सिलाई अंधे बच्चों का वाद्य की मरम्मत, आयन-वादन की शिक्षा दी जा रही है। अस्थि विकलांग बच्चों को बुनाई, फाईल बनाना, एस.टी.डी. बुथ चलाने का प्रशिक्षण बेकरी कार्य और अन्य व्यावसायिक शिक्षा दी जा रही है।

शिक्षकों की योग्यता व अन्य जानकारी

निम्न तालिकाओं में तीनों विशेष संस्थाओं में कार्यरत् शिक्षकों के बारे में जानकारी प्रस्तुत की गयी है, जिससे उनकी शैक्षिक योग्यता और अनुभव, उम्र, मासिक वेतन तथा शिक्षकों के प्रशिक्षण लेने का स्थान व संस्था, साथ ही यह भी वर्णित किया है कि उनके इस विशेष संस्था में नौकरी करने का कारण व विकलांग बालकों को पढ़ाने में आने वाली कठिनाईयों को आंकड़ों के आधार पर स्पष्ट करने का प्रयास किया है।

तालिका क्रमांक- 4.1.7

विशेष शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता एवं अनुभव का विवरण

क्रमांक	शैक्षिक योग्यता और अनुभव		शिक्षकों की संख्या	शिक्षकों की संख्या	शिक्षकों संख्या
			संस्था-1में	*संस्था-2 में*	*संस्था-3 में*
1.	शैक्षिक योग्यता	उच्च माध्यमिक	--	3	--
		स्नातक	5	3	5
		स्नातकोत्तर	--	--	1
		विशेष प्रशिक्षित	5	3	6
2.	अनुभव	1 से 5 साल	1	1	1
		6 से 10 साल	4	2	4
		11 से 15 साल	--	--	1
		16 से 20 साल	--	2	--
		21 से 25 साल	--	1	--

तालिका क्रमांक- 4.1.7 में तीनो विशेष विद्यालयों में कार्यरत् शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता व अध्यापन अनुभव को प्रस्तुत किया है। शैक्षिक योग्यता के बारे में प्रस्तुत तालिका से स्पष्ट जानकारी प्राप्त होती है, जिसमें संस्था-2 में उच्च माध्यमिक शिक्षा लिये हुए शिक्षक हैं जबकि संस्था-1 व संस्था-3 में उच्च माध्यमिक शिक्षा लिये हुये शिक्षक हैं वहाँ के सभी शिक्षक उच्च माध्यमिक स्तर से अधिक योग्यता वाले हैं। तीनों संस्थाओं में जो भी शिक्षक स्नातक या स्नातकोत्त्तर की शिक्षा प्राप्त किये हुये हैं वे सभी विशेष प्रशिक्षित भी हैं इस आधार पर देखें तो संस्था-1 में 5 शिक्षक विशेष प्रशिक्षित हैं, संस्था-2 में 3 शिक्षक विशेष प्रशिक्षित तथा संस्था-3 में 6 शिक्षक विशेष प्रशिक्षित हैं।

शैक्षिक अनुभव के संदर्भ में देखें तो तालिका से स्पष्ट होता है कि 1 से 5 तक के अनुभव वाले शिक्षकों की संख्या प्रत्येक संस्था चाहे वह संस्था-1, संस्था-2 या संस्था-3 हो, समान हैं अर्थात प्रत्येक संस्था से 1 शिक्षक ही न्यूनतम 1 से 5 साल का अनुभब रखते हैं।

6 से 10 तक के अनुभव के मामलें में संस्था -1 में 4 शिक्षक, संस्था-2 में 2 शिक्षक तथा संस्था-3 में 1 शिक्षक कार्यरत् हैं। 16 से 20 साल का अनुभव लिये सिर्फ 2 शिक्षक है जो कि संस्था-2 में कार्यरत हैं। 21 से 25 साल का सर्वाधिक अनुभव लिये सिर्फ-1 शिक्षक हैं जो कि संस्था-2 में ही कार्यरत हैं।

तालिका - 4.1.8

शिक्षकों की उम्र और मासिक वेतन का विवरण

क्रमांक	उम्र और मासिक वेतन		शिक्षकों की संख्या	शिक्षकों की संख्या	शिक्षकों की संख्या
			संस्था-1में	*संस्था-2में*	*संस्था-3में*
1.	उम्र	30 से 39	5	3	5
		40 से 49	--	1	1
		50 से 59	--	2	--
2.	मासिक वेतन	1 हजार से 10 हजार तक	5	3	3
		11 हजार से 20 हजार तक	--	3	3

तालिका क्रमांक- 4.1.8 में शिक्षकों की उम्र और उन्हें मिलने वाले मासिक वेतन का विवरण प्रस्तुत किया गया है।

30 से 39 साल तक के शिक्षकों की संख्या संस्था-1 में 5, संस्था-2 में 3 व संस्था -3 में 5 हैं। 40 से 49 साल तक के शिक्षकों की संख्या संस्था-2 में 1 व संस्था- 3 में 1 है 50 से 59 साल तक के सिर्फ 2 शिक्षक है जो कि संस्था-3 में कार्यरत है।

1 हजार से 10 हजार के बीच मासिक वेतन प्राप्त करने वाले शिक्षकों की संख्या संस्था-1 में 5, संस्था-2 में 3 व संस्था-3 में भी 3 हैं। 11 हजार से 20 हजार के बीच मासिक वेतन प्राप्त करने वाले शिक्षकों को संख्या संस्था-2 में 3 व संस्था-3 में भी 3 है।

तालिका 4.1.9

संस्थागत शिक्षकों का नौकरी करने का कारण एवं कठिनाई का विवरण।

क्रमांक	नौकरी करने का कारण		शिक्षकों की संख्या *संस्था-1में*	शिक्षकों की संख्या *संस्था-2में*	शिक्षकों की संख्या *संस्था-3में*
1.	नौकरी करने का कारण	अधिक लाभ के लिये	1	1	--
		कम कार्यभार के लिये	--	--	--
		स्वेच्छा से	4	5	6
2.	कार्य समय में कठिनाई	भौतिक साधन की व्यवस्था	1	2	--
		आर्थिक परेशानियाँ	--	1	--
		अन्य	1	--	---

तालिका क्रमांकः- 4.1.9 में संस्थागत शिक्षकों का नौकरी करने का कारण एवं अध्यापन में आने वाली कठिनाईयों का विवरण प्रस्तुत किया है।

सर्वप्रथम नौकरी करने के कारणों का विवरण प्रस्तुत किया है अधिक लाभ के लिये संस्था-1 में नौकरी करने वाले शिक्षकों की संख्या सिर्फ-1 है तथा संस्था-2 में भी यह संख्या-1 है तथा संस्था-3 में कोई भी शिक्षक अधिक लाभ हेतु संस्था में नौकरी नहीं कर रहा। इस तालिका में कार्यरत् शिक्षा भौतिक साधन की व्यवस्था अनुभव होते हुये संस्था में संख्या -1 है, संस्था 2-में 2 है। आर्थिक परेशानियाँ अनुभव होते हुए संस्था 2 में संख्या 1 है और अन्य परेशानियाँ वाले शिक्षक संस्था 1 में संख्या है। संस्था -3 में एक भी शिक्षक कार्य समय में कठिनायी नहीं पायी गयी।

तालिका क्रमांक- 4.1.10

मानसिक विकलांगता बालक को मिल रही सुविधाओं का विवरण

क्र.	विद्यार्थी का नाम	शाला	महीने में परीक्षण	मस्तिक के नमूने	दायें और वाये अर्द्ध गोलक एवं मानसिक पिछड़ापन संबंधित समस्याओं पर नियमित चार्ट एवं स्लाईड	बौद्धिक कार्यात्मक से संबंधित समायोजित व्यवहार जो कि मंद बुद्धि पर निर्मित की गयी स्लाईड
1	कापड़िया प्रतिक	रा.अं.मंडल	दो बार	नहीं	नहीं,	हाँ
2	माकड़ रमेश	,,	दो बार	नहीं	हाँ	नहीं
3	पटेल शीतल	,,	दो बार	नहीं	नहीं	हाँ
4	परमार उदेसीहं	,,	दो बार	नहीं	हाँ	नहीं
5	वेकरीया मनिषा	,,	दो बार	नहीं	नहीं	हाँ
6	वाघनी सरिता	,,	एक बार	हाँ	हाँ	हाँ
7	लीमांनी महेशभाई	एन.पी.शाह	चार बार	हाँ	हाँ	हाँ
8	कुमर रूचिता	,,	चार बार	हाँ	हाँ	हाँ
9	वघेला अमित	,,	चार बार	हाँ	हाँ	हाँ
10	भेसानिया जितेन्द्र	मंगल मूर्ति	दो बार	हाँ	नहीं	हाँ
11	धाघल प्रतापसिंह	,,	दो बार	हाँ	नहीं	हाँ
12	खुमान राजू	,,	एक बार	हाँ	हाँ	हाँ
13	पाछनी प्रियंका	,,	एक बार	हाँ	हाँ	हाँ

तालिका क्रमांक- 4.1.10 के प्रथम भाग में जूनागढ जिले के तीनों विशेष विद्यालयों में मानसिक विकलांगता वाले बालकों को मिल रही चिकित्सकीय व अन्य सुविधाओं का पाँच बिन्दुओं के माध्यम से स्पष्ट किया है तालिका में वर्णित जानकारी सभी विशेष विद्यालयों के विकलांग बालकों से साक्षात्कार से द्वारा ली गयी है।

जिसमें मानसिक, श्राव्य और वाणीक्षतिग्रस्त, दृष्टिहीन बालक लिये गये है। यादृच्छिक विधि से चयन के पश्चात् तीनों विशेष विद्यालयों से 13 विभिन्न विकलांगता वाले बालकों को लिया गया है। जिसमें राष्ट्रीय अंधजन मण्डल में उनकी संख्या छः एम.पी.शाह विद्यालय में उनकी संख्या तीन व मंगल मूर्ति विद्यालय में उनकी संख्या चार है। मानसिक विकलांगता वाले बालकों की मानसिक स्थिति का प्रतिमाह परीक्षण किया जाता है जिसकी जानकारी तालिका में दी गयी है। इन बालकों में 61 प्रतिशत

बालकों को मस्तिष्क के नमूने दिखाये जाते है जबकि 39 प्रतिशत बालकों को मस्तिष्क के नमूने नहीं दिखाये जाते हैं। मानसिक विकलांग बालकों को प्रशिक्षित करने हेतु उपयोगी स्लाइड का उपयोग 61 प्रतिशत बालक ही कर पाते हैं। परंतु सभी संस्थाओं में विभिन्न प्रकार के खेल सभी बालकों को सिखाते हैं। मंदबुद्धि बालकों के बौद्धिक विकास हेतु निर्मित स्लाईड का 85 प्रतिशत बालक उपयोग कर रहे हैं। जबकि 15 प्रतिशत बालक के पास यह सुविधायें नहीं मिलती।

तालिका क्रमांक- 4.1.11

श्रवण और वाणी क्षतिग्रस्त विकलांगता बालक को मिल रही सुविधायें का विवरण

क्र.	विद्यार्थी का नाम	शाला	महीने में परीक्षण	श्रवण यंत्र का इस्तेमाल	व्यावसायिक मार्गदर्शन में दिखाई जाती है।	मशीनों के एसेम्बली का कार्य सिखाते है?	उपकरण देखभाल जानकारी
1	ब्रम्हभट्ट धेरिया	रा.अं.मंडल	2 बार	हाँ	कढ़ाई	नहीं	नहीं
2	भालीया मनोज	,,	1 बार	हाँ	कढ़ाई	नहीं	नहीं
3	चोवटीया मीनाक्षी	,,	1 बार	हाँ	कम्प्यूटरप्रोग्रामिंग	हाँ	हाँ
4	पटेल बीना	,,	1 बार	हाँ	सिलाई	हाँ	हाँ
5	पाघडाल प्रवीण	,,	1 बार	हाँ	सिलाई	हाँ	हाँ
6	वोरा पंकज	,,	एक बार	हाँ	सिलाई और टायपिंग	हाँ	हाँ
7	बसीया मनीषा	एन.पी.शाह	3 बार	हाँ	सिलाई और टायपिंग	नहीं	हाँ
8	सगर मूक्ती	,,	3 बार	हाँ	टायपिंग	नहीं	नहीं
9	वेकरीया अतुल	,,	3 बार	हाँ	सिलाई और टायपिंग	नहीं	नहीं
10	बोघाणी परीमल	मंगल मूर्ति	1 बार	हाँ	कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग	हाँ	हाँ
11	घाघल रणजीत	,,	1 बार	हाँ	टायपिंग	नहीं	हाँ
12	पटेल मोनिका	,,	1 बार	हाँ	कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग	हाँ	हाँ
13	वाणंद अल्पेश	,,	1 बार	हाँ	टायपिंग बुनाई	नहीं	हाँ

उपरोक्त तालिका में श्रवण और वाणीग्रस्त बालकों का प्रतिमाह परीक्षण किया जाता है जिसकी जानकारी तालिका में दी गयी है। सभी विद्यालयों के सभी बालकों के पास श्रवण यंत्र उपलब्ध है जिसका सुनने में उपयोग करते हैं विद्यालयों में बालकों को व्यवसायिक मार्गदर्शन हेतु विभिन्न प्रकार के कार्यो जैसे कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग, सिलाई, टायपिंग, कढ़ाई, बुनाई, आदि कि प्रशिक्षण की यह सामग्री है। सभी विद्यार्थियों को उपकरण की देखभाल व रख-रखाव के बारे में जानकारी दी जाती है।

तालिका क्रमांक- 4.1.12

दृष्टिहीन विकलांगता बालकों को मिल रही सुविधायें का विवरण

क्र.	विद्यार्थी का नाम	शाला	वेलवर्णमाल अं. दूसरी प्रा. भाषा	गतिशीलता के लिये केन एवं अंधफोल्डर	ब्रेल किट्स से संबंधित सामग्री का उपयोग	शाला मिलती हुयी सुविधा	शाला में स्पर्श एवं श्रवण अधिगम सामग्री
1	सतीया भारती	रा.अं. मंडल	गुजराती	हाँ	आधार युक्त स्लेट, एबैक्स, टेलर फ्रेम	आधारयुक्त आवर्धक,	हाँ
2	दाणीदोर गोरव	,,	हिन्दी, गुजराती	हाँ	स्टालस, स्लेट	प्लास्टिक आधार युक्त आवर्धक	हाँ
3	डांगर भार्गव	,,	हिन्दी, गुजराती	नहीं	अबैक्स, स्लेट, पुशपिन	प्लास्टिक आधार युक्त आवर्धक	हाँ
4	सोदरवा अमीता	,,	हिन्दी, गुजराती	हाँ	स्टालस, स्लेट	प्लास्टिक आधार युक्त आवर्धक	हाँ
5	नागर भावी	,,	हिन्दी, गुजराती	हाँ	अबैक्स,स्टायलस	प्लास्टिक आधार युक्त आवर्धक	हाँ
6	बारीया सुशीला	,,	हिन्दी, अंग्रेजी	हाँ	टेलर फ्रेम इत्यादि उभरे हुए टेप स्वर सीट	प्लास्टिक आधार युक्त आवर्धक	हाँ
7	डांगर कृपाली	एन.पी. शाह	गुजराती	हाँ	स्लेट	प्लास्टिक आधार युक्त आवर्धक	हाँ
8	कोटडिया मयूरी	,,	गुजराती	नहीं	स्लेट	प्लास्टिक आधार युक्त आवर्धक	हाँ
9	मोरी राजेश	,,	गुजराती, हिन्दी	नहीं	स्लेट स्टायलस	दर्शनत्रिपाकलाप के योग्य ब्रेलनाकार आवर्धक	हाँ
10	पानसुरिया अंकिता	मंगल मूर्ति	हिन्दी, अंग्रेजी	हाँ	अबैक्स, टेलर फ्रेम, उभरे हुये टेप स्वर सीट	आयाकार प्रकरण,	हाँ
11	बसीया मधुकांत	,,	हिन्दी, अंग्रेजी	हाँ	अबैक्स	दर्शनत्रिपाकलाप के योग्य ब्रेलनाकार आवर्धक	हाँ
12	वाला मधुवा	,,	हिन्दी, अंग्रेजी	हाँ	स्टायलस टेप स्वर सीट	आयाकार प्रकरण	हाँ
13	भैसानिया डिंपल	,,	हिन्दी, अंग्रेजी	हाँ	स्लाइड, अबैक्स	आयाकार प्रकरण	हाँ

तालिका क्रमांक- 4.1.12 में सभी विशेष विद्यालय के दृष्टिहीनता वाले बालकों को ब्रेल लिपि हिन्दी, अंग्रेजी व गुजराती तींनो भाषाओं में सिखायी जाती है। ब्रेल किट्स से संबंधित सामग्री के लिये स्लेट, अबैक्स, स्लाइड तथा अन्य आवश्यक उपकरणों का प्रयोग किया जाता है। गतिशीलता के लिये अंध फोल्डरों का प्रयोग तींनों विद्यालयों में काफी देर तक किया जाता है। तींनो विद्यालयों में दुष्टिहीन बालकों के लिये आवश्यक सुविधायें प्रदान की जाती हैं तथा इन्हें स्पर्श एवं स्व अधिगम के लिये आवश्यक सामग्री सभी विद्यालयों द्वारा प्रदान की जाती हैं।

तालिका क्रमांक- 4.1.13

अस्थि विकलांग बालकों को मिल रही सुविधाओं का विवरण

क्र.	विद्यार्थी का नाम	शाला	शाला में से मिलती सहायक साधन सामग्री	भौतिक चिकित्सा के तकनीक पर निर्मित स्लाइड	छात्रोंवृति की सुविधा	रोग व संशोधन पर बने हुये स्लाइड का चिकित्सा के लिये उर्पुक्त	सहायक उपकरण का उपयोग
1	शाह अजीत	रा.अं.मंडल	नहीं	हाँ	हाँ	हाँ	नहीं
2	दुधात्रा धर्मेश	,,	केलिपर्श	नहीं	हाँ	हाँ	हाँ
3	बारिया रमेश	,,	नही	नहीं	हाँ	हाँ	नहीं
4	ब्रहम्मट् तेजस	,,	व्हीलचेयर	हाँ	नहीं	हाँ	हाँ
5	डांगर कल्पन	,,	कुत्रीमम	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
6	पाडलीया स्वना	,,	विशेष जूते	हँ	हाँ	हाँ	हाँ
7	डांगर प्रतीक्षा	एन.पी.शाह	नहीं	नहीं	हाँ	हाँ	नहीं
8	देशाई डोली	,,	व्हील चेयर	नहीं	हाँ	हाँ	हाँ
9	मखेचा आशा	,,	बैसाखी	नहीं	हाँ	हाँ	हाँ
10	भवसार अवनी	मंगल मूर्ति	कृत्रिम अंग	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
11	खुमाण मीताबा	,,	बैसाखी	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
12	पानसुरिया किशन	,,	ट्राइसिकल	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ
13	वाला अनुपम	,,	बैसखी	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ

तालिका क्रमांक :- 4.1.13 में अस्थि विकलांगता वाले बालकों मे से अलग-अलग 10 बालक सहयोगी उपकरणों का उपयोग करते हैं, जबकि तीन बालक सहायक उपकरण का उपयोग नहीं करते है, सहायक उपकरणों में केलिपर्श, व्हीलचेयर, कृतिम अंग, विशेष जूते, बैसाखी आदि बालकों के उपयोगी हेतु विद्यालय द्वारा प्रदान की जाती हैं। तीनों विद्यालयों में बालकों की नियमित भौतिक चिकित्सा तीनों विद्यालयों में आवासीय व्यवस्था है तथा बाहर रहने की कोई व्यवस्था नहीं है।